Girls' High School & College, Prayagraj

Session - 2020-2021

Class - IX, A,B,C,D,E

Subject - Hindi

Assignment - 1

निर्देश : अभिभावकों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे यह सुनिश्चित करें कि छात्रा पाठ से सम्बन्धित दिए गए विडियो के लिंक ..... https://www.youtube.com/watch?v=GYHRNRSSnNU&feature=youtu.be पर क्लिक करके उसे देखे।

छात्रा विडियो से सम्बन्धित पाठ का पाठ्य पुस्तक से विस्तार से अध्ययन करे, स्मरण करे और नीचे दिए गए अभ्यास कार्य को हल करे।

पूरा किया गया अभ्यास कार्य डाउनलोड करे और अभ्यास पुस्तिका पर चिपकाए/नत्थी करे और अभ्यास पुस्तिका को तैयार रखे।

जमा करने की तिथि तथा प्रक्रिया की सूचना विद्यालय द्वारा दी जाएगी।

साहित्य (गद्य भाग)

पाठ – बात अठन्नी की **लेखक : सुदर्शन**

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्रश्न.1. वह सोचता, "यहाँ इतने सालों से हूँ। अमीर लोग नौकरों पर विश्वास नहीं करते पर मुझपर यहाँ कभी किसी ने संदेह नहीं किया। यहाँ से जाऊँ तो शायद कोई ग्यारह–बारह दे दे, पर ऐसा आदर न मिलेगा।"

(i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? उसके परिवार में कौन–कौन थे?

(ii) वक्ता किसके यहाँ काम करता था? उसने अपने मालिक से क्या प्रार्थना की?

(iii) वह यह नौकरी क्यों नहीं छोड़ना चाहता था?

(iv) उसके मालिक के पड़ोस में कौन रहता था? उसके चौकीदार का क्या नाम था? उसकी मित्रता किससे थी?

प्रश्न.2. **रसीला के मुँह से एक शब्द भी न निकला। सोचने लगा, "बाबू साहब की मैंने इतनी सेवा की, पर दुःख में उन्होंने साथ न दिया। रमज़ान को देखो गरीब है, परंतु आदमी नहीं, देवता है। ईश्वर उसका भला करे।"**

(i) रसीला कौन था? उसके मुँह से एक शब्द भी क्यों नहीं निकला ?

(ii) 'बाबू साहब' कौन हैं? उनके चरित्र की क्या विशेषताएँ थीं ?

(iii) रमज़ान कौन है? उसने वक्ता की किस समस्या का समाधान किया ?

(iv) रसीला को किस अपराध में कितनी सज़ा हुई ? समझाकर लिखिए।

प्रश्न.3. **फ़ैसला सुनकर रमज़ान की आँखों में खून उतर आया। सोचने लगा, "यह दुनिया न्याय नगरी नहीं, अंधेर नगरी है। चोरी पकड़ी गई तो अपराध हो गया। असली अपराधी बड़ी–बड़ी कोठियों में बैठकर दोनों हाथों से धन बटोर रहे हैं। उन्हें कोई नहीं पकड़ता।"**

(i) फ़ैसला किस व्यक्ति ने दिया था ? उसने क्या फ़ैसला, किस आदमी के विषय में दिया था ? क्या यह फ़ैसला उचित था ?

(ii) रमज़ान की आँखों में खून उतरने का क्या कारण था ? समझाकर लिखिए।

(iii) रमज़ान ने दुनिया को न्याय नगरी नहीं, अंधेर नगरी क्यों कहा ?

(iv) किस व्यक्ति की चोरी पकड़ी गई थी ? किसने इस व्यक्ति की चोरी पकड़ी थी ? चोरी करने के पीछे के दो कारणों का उल्लेख करिए।

प्रश्न.4. **रात के समय जब हज़ार, पाँच सौ के चोर नरम गद्दों पर मीठी नींद ले रहे थे, अठन्नी का चोर जेल की तंग, अँधेरी कोठरी में पछता रहा था।**

(i) हज़ार, पाँच सौ के चोर किन व्यक्तियों के लिए प्रयुक्त हुआ है ? उनका परिचय दीजिए।

(ii) किस रात के विषय में यहाँ बात की जा रही है ?

(iii) अठन्नी का चोर कौन था? उसने किस प्रकार अठन्नी की चोरी की थी ? इस कारण इस व्यक्ति के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया गया था ?

(iv) किन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अठन्नी चोर की यह मनोदशा हुई? विस्तार पूर्वक लिखिए।

प्रश्न.5. शेख साहब न्यायप्रिय आदमी थे। उन्होंने रसीला को छह महीने की सज़ा सुना दी और रूमाल से मुँह पोंछा। यह वही रूमाल था जिसमें एक दिन पहले किसी ने हज़ार रूपये बाँधकर दिए थे।

(i) शेख साहब कौन थे ? 'न्यायप्रिय' शब्द का व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'रूमाल' के संबंध में लेखक ने क्या कहा है ?

(iii) हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए।

(iv) बात अठन्नी की कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

E N D